

176. कथन (A) : अरावली पर्वत श्रेणी निकटवर्ती क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण के प्रसार को सीमित करती है?

कारण (R) : अरावली पर्वत श्रेणी सम्पूर्ण राज्य में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर अविच्छिन्न फैली हुई है।

- (A) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।  
 (B) A और R दोनों सही हैं किन्तु R, A की आंशिक व्याख्या करता है।  
 (C) A सही है, किन्तु R गलत है।  
 (D) A गलत है, किन्तु R सही है।

**Patwar Pre Exam 13.02.2016**

**Ans. (b)** अरावली मुख्यतः भारत के राजस्थान में स्थित एक पर्वतमाला है जो भौगोलिक संरचना में प्राचीनतम पर्वत श्रृंखला मानी जाती है। अरावली पर्वत श्रेणी सम्पूर्ण राज्य में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर अविच्छिन्न रूप से फैली है। यह पश्चिमी मरुस्थल के विस्तार को रोकने का कार्य करती है। पूर्वी राजस्थान और गंगा के मैदानों में मरुस्थल के प्रसार में एक बाधा के रूप में काम करता है। इस प्रकार कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की व्याख्या करता है।

177. निम्नलिखित में से राजस्थान का कौन-सा/कौनसे भौतिक विभाग अपने धरातलीय लक्षणों से सही सुमेलित है/हैं

- |                           |   |
|---------------------------|---|
| <b>भौतिक विभाग</b>        | <b>शैल समूह धरातलीय लक्षण</b>                           |
| (i) दक्षिणी-पूर्वी पठार   | आर्कियन-विन्ध्यन क्रम गोंडवाना लैण्ड का विस्तारित भाग   |
| (ii) पश्चिमी बालुका मैदान | रायलों-क्रिटेस क्रम टैथिस सागर अवशेष रूप                |
| (iii) अरावली              | अरावली-दिल्ली क्रम प्राचीनतम वलित पर्वत श्रेणी          |
| (iv) उत्तर-पूर्वी मैदान   | दक्कन लावा-विन्ध्यन क्रम सिंधु नदी निर्मित मैदान का भाग |

**सही विकल्प को चुनिए-**

- (a) (ii) और (iii)                      (b) (i) और (iv)  
 (c) (i), (ii) और (iii)                (d) (ii), (iii) और (iv)

**Patwar Pre Exam 13.02.2016**

**Ans. (c)** राजस्थान को सामान्यतः चार भौतिक भागों में बाँटा जाता है-दक्षिणी-पूर्वी पठारी भाग, पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश, अरावली पर्वतीय प्रदेश तथा पूर्वी मैदानी प्रदेश। दक्षिणी-पूर्वी पठार आर्कियन विन्ध्यन क्रम की शैल समूहों से बना है तथा गोंडवानालैण्ड का विस्तारित भाग है। पश्चिमी बालुका मैदान रायलों-क्रिटेस क्रम की शैल समूहों से बना है तथा टैथिस सागर के अवशेष के रूप में है। अरावली पर्वतीय प्रदेश प्राचीनतम पर्वत श्रेणी है जबकि उत्तर पूर्वी मैदान नदी बेसिन प्रदेश है, अर्थात् नदियों द्वारा जमा की गई मिट्टी से इस प्रदेश का निर्माण हुआ है न कि दक्कन लावा से।

178. राजस्थान में मरुस्थलीकरण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया कौन सी है?

- (a) वनस्पति अवनयन                (b) जल अपरदन  
 (c) अपवन अपरदन                    (d) जल संचयन

**पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018**

**Ans. (a)** राजस्थान में मरुस्थलीकरण के निम्नलिखित कारण हैं-

- (1) वायु अपरदन (2) वनस्पति अवनयन।

179. राजस्थान के निम्नांकित में से कौन सा एक भौतिक विभाजन सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला है?

- (a) पूर्वी मैदानी प्रदेश  
 (b) दक्षिण पूर्वी पठार प्रदेश  
 (c) उत्तर पश्चिमी मरुस्थली प्रदेश  
 (d) अरावली पर्वत श्रेणी प्रदेश

**पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018**

**Ans. (c)** धरातलीय विशिष्टताओं के आधार पर राजस्थान को निम्नलिखित प्रमुख एवं उप-विभागों में विभक्त किया गया है।

- (1) पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (61% भाग पर)  
 (2) अरावली पर्वतीय प्रदेश (9% भाग पर)  
 (3) पूर्वी मैदानी प्रदेश (23% भाग पर)  
 (4) दक्षिणी-पूर्वी पठार (हाड़ौती का पठार) (7% भाग पर)।

180. पश्चिमी मरुस्थल राजस्थान के लगभग जितने क्षेत्र को घेरे हैं, वह है-

- (a) 60% से अधिक                      (b) 30% से कम  
 (c) 40%                                        (d) 50%

**RPSC RAS/RTS 2009**

**Ans. (a)** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

181. राजस्थान के कौन से जिले में 'उड़िया पठार' स्थित है

- (a) जयपुर                                      (b) उदयपुर  
 (c) सिरौही                                    (d) प्रतापगढ़

**पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा-2018**

**Ans. (c)** राजस्थान के पठारों में प्रमुख हैं- सिरौह में स्थित उड़िया एवं अबु पठार, उदयपुर एवं राजसमंद में स्थित भोरट का पठार, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिले के पूर्वी भाग में स्थित उपरमाल और उदयपुर एवं प्रतापगढ़ में स्थित लसाडिया का पठार आदि।

182. राजस्थान के मैदानों के उपजाऊ क्षेत्र को निम्नलिखित में से किस नाम से जाना जाता है?

- (a) रोही                                        (b) घग्गर  
 (c) चार्स                                        (d) धया

**मोटर वाहन उप-निरीक्षक -2021 (Paper-I)**

**Ans. (a)** राजस्थान के मैदानों के उपजाऊ क्षेत्र को 'रोही' नाम से जाना जाता है। राजस्थान के मैदान का विस्तार पश्चिम में अरावली पर्वत से लेकर भारत-पाकिस्तान की सीमा तक, उत्तर में पंजाब-हरियाणा के मैदान तक तथा दक्षिण में गुजरात के मैदान तक है।

183. राजस्थान के वे जिले जिनकी राजनीतिक सीमा भारत की किसी अन्तर्राज्यीय या अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से नहीं लगती-

- (a) प्रतापगढ़, दौसा, टोंक, बाँसवाड़ा, राजसमन्द  
 (b) पाली, जयपुर, नागौर, धौलपुर, अजमेर  
 (c) बून्दी, दौसा, राजसमन्द, पाली, जोधपुर  
 (d) करौली, भीलवाड़ा, दौसा, नागौर, टोंक

**Ans. (c)** राजस्थान की कुल स्थलीय सीमा की लम्बाई 5920 किमी. है, इसमें 1070 किमी. अन्तर्राष्ट्रीय सीमा है जो पाकिस्तान से लगती है तथा 4850 किमी. अन्तर्राज्यीय है जो देश के पाँच राज्यों-पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व गुजरात के साथ